शिखर वार्ता: प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति पुतिन के बीच अहम मुद्दों पर चर्चा

भारत-रूस के बीच व्यापार और रक्षा क्षेत्र में 28 करार

नई दिल्ली | विशेष संवाददाता

दिल्ली स्थित हैदराबाद हाउस में सोमवार को शिखर वार्ता से पहले प्रधानमंत्री मोदी व रूसी राष्ट्रपति पुतिन गर्मजोशी से मिले। • सोनू मेहता

भारत-रूस के बीच सोमवार को हुई शिखर वार्ता में रक्षा, व्यापार और निवेश समेत कुल 28 समझौतों और एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। वार्ता के पश्चात 99 बिन्दुओं पर संयुक्त बयान भी जारी किया गया है। इसमें अंतरिक्ष, विज्ञान व प्रौद्योगिकी, आतंक व अफगानिस्तान से जुड़े मुद्दों को भी शामिल किया गया है।

महज छह घंटे के लिए भारत पहुंचे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हैदराबाद हाउस में लंबी बैठक चली। प्रधानमंत्री ने पुतिन का स्वागत करते हुए कहा कि भारत के प्रति आपका जो लगाव है, आपकी जो निजी प्रतिबद्धता है, वह इस बात का प्रमाण है कि भारत-रूस संबंधों का कितना महत्व है। पिछले दशकों में वैश्विक स्तर पर कई बदलाव आए हैं। कई तरह के भू-राजनीतिक समीकरण उभरे हैं। किन्तु इन उतार-चढ़ाव के बीच भारत -रूस मित्रता लगातार बनी रही।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आर्थिक क्षेत्र में भी हम दीर्घकालिक दृष्टि अपना रहे हैं। हमने 2025 तक 30 अरब डॉलर के व्यापार व 50 अरब डॉलर के निवेश का लक्ष्य रखा है। इसके बाद राष्ट्रपति पुतिन ने दिल्ली आने पर खुशी जताते हुए भारत को समय के साथ परखा हुआ और सबसे भरोसेमंद दोस्त बताया।

विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने बैठक के बाद बताया कि दोनों नेताओं के बीच बातचीत काफी उपयोगी रही। अफगानिस्तान में भी साथ काम करने की बात कही गई।

इससे पहले रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और रूस के रक्षामंत्री जनरल सर्गेइ शोइगु और दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच 'टू प्लस टू' वार्ता में कई अहम फैसलों पर मुहर लगाई गई।

खास साझेदारी पेज 09

अमेठी करार

- रूस की मदद से अमेठी में 6.01 लाख 'एके-203' असाल्ट राइफल का निर्माण किया जाएगा
- सैन्य सहयोग दस वर्ष के लिए बढ़ाने पर दोनों देशों के बीच समझौता
- विज्ञान और तकनीक में प्रौद्योगिकी साझा करने पर भी सहमति

हमारी दोस्ती एक अनोखा और विश्वस्त मॉडल : मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, भारत और रूस ने न सिर्फ एक दूसरे के साथ निसंकोच सहयोग किया बल्कि एक दूसरे की भावनाओं का भी विशेष ध्यान रखा है। यह सचमुच दोस्ती का अनोखा और विश्वस्त मॉडल है।

भारत एक बड़ी शक्ति और परखा हुआ दोस्त : पुतिन

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा, हम भारत को एक बहुत बड़ी शक्ति, एक मित्र राष्ट्र और वक्त की कसौटी पर खरा उतरा मित्र मानते हैं। दोनों देशों के बीच संबंध प्रगाढ़ हो रहे हैं, मैं भविष्य की ओर देख रहा हूं।